संकलित परीक्षा–2 (2014–15)

कक्षा – सप्तम
विषय – हिन्दी

अंक योजना
खण्ड– (क)

प्र0–1 उचित विकल्प (1×5=5)

1. **(ग)** जान बचाते फिरना
2. **(ख)**गौतम बुद्ध
3. **(घ)**उपर्युक्त सभी
4. **(क)**चकित
5. **(ग)**वीरता

प्र0–2 उचित विकल्प (1×5=5)

1. **(क)** देशभक्त नागरिक का
2. **(ग)** दुःख में किनारा करने वाले साथियों पर
3. **(ख)**अभिशाप
4. **(ग)** समृद्ध जन्मभूमि
5. **(ग)** देशहित बलिदान की

खण्ड– (ख)

प्र0–3 उचित विकल्प (1×5=5)

(1)(ख)मोर–शावकों को।
(2)(ग) नाच रहा था।
(3)(क)खरगोश के।
(4)(ख)एक आँख बंद करके।
(5)(ग)इक

अथवा

(1)(क) धनराज पिल्लै।
(2)(ग)बड़ी मुश्किल से दसवीं तक पास होता रहा।
(3)(ग) कोई नौकरी न पाता।
(4)(ख) हॉकी के खेल में पारंगत।
(5)(घ) विनय

प्र0–4 उचित उत्तर, स्वविवेक से। (2×3=6)

(क) क्योंकि उसका दिल और दिमागकंचों में ही खो गया था। वह उन्हें लेने की तरकीबें बनाने में लगा इसलिए कक्षा में उसका ध्यान नहीं था।
(ख)नीलाभ ग्रीवा अर्थात् नीली गर्दन के कारण मोर का नाम रखा गया नीलकंठ। मोरनी सदा उसकी छाया के समान उसके साथ–साथ ऐसे रहती जैसे राधा श्री कृष्ण के साथ रहती थी इसलिए उसका नाम राधा रखा गया।
(ग) बचपन में कुँवर सिंह को पढ़ने–लिखने से अधिक घुडसवारी, तलवारबाजी और कुश्ती लड़ने में मजा आता था।

(घ)धनराज पिल्लै हॉकी के प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं। अन्य खिलाड़ी परगट सिंह हैं।
(ङ)गाँधीजी आश्रम के खर्च के लिए अहमदाबाद को विवश नहीं करना चाहते थे क्योंकि वे निर्धनों को स्वावलंबी बनाकर अपना आर्थिक भार स्वयं वहन करने की प्रेरणा देना चाहते थे।
(च)जब हम किसी समारोह में जाते हैं तो एक साथ कई प्रकार के व्यंजन प्लेट में भर लेते हैं जिससे किसी का भी स्वाद नहीं ले पाते।

प्र0–5 उचित उत्तर, स्वविवेक से। (1×5=5)

(क) मीराबाई
(ख) भोर के समय की
(ग)क्योंकि भोर हो गई थी, ग्वाल बाल उनका इंतजार कर रहे थे, गोपियाँ कृष्णके लिए ताजा मक्खन निकाल रही थी।
(घ)देव और दानव
(ङ)ग्वाल बालों के हाथ में माखन–रोटी था।

प्र0–6 उचित उत्तर, स्वविवेक से। (2×3=6)

(क)घमंडी की आँख में तिनका पड़ने पर उसकी उसकी आँख लाल होकर दुखने लगी। ऐसे में वह बेचैन हो उठा जिससे उसका घमंड चूर–चूर हो गया।
(ख) मीरा को सावन मनभावन लगने लगा क्योंकि सावन के आते हो उसे श्रीकृष्ण के आने की भनक हो गई।
(ग)लोग रूढ़िवादी विचारधार त्याग दें, भ्रष्टाचार समाप्त हों, धार्मिक सद्भावना हो यही परिवर्तन चाहता है।
(घ) रहीम जी के अनुसार सच्चे मित्र की यह पहचान है कि वह दुःख में भी मित्र का पूरा साथ देता है।
प्र0–7(क) अर्जुन ने शिखंडी को आगे करके उसकी आड़ लेकर भीष्म पर बाण चलाए। शिखंडी भी महारथी था। उसने भी बाणों से पितामह का वक्ष–स्थल बींध दिया। पितामह शिखंडी पर बाण नहीं चला सकते थे अतः मृत्यु को निकट आई समझ भीष्म रथ से नीचे उतरना चाहते थे, तभी वे नीचे गिर पड़े।उनके शरीर में इतने बाण थे कि उनका शरीर भूमि से नहीं लगा। इस स्थिति को ही शर–शैय्या कहते हैं। (2×2=4)
(ख)रथ का पहिया कीचड़ में फँस जाने पर कर्ण ने अर्जुन से कहा,"अर्जुन! ज़रा ठहरो। मेरे रथ का पहिया कीचड़ में फँस गया है। पांडु–पुत्र, तुम्हें धर्म–युद्ध करने का जो यश प्राप्त हुआ है, उसे व्यर्थ ही न गँवाओ। मैं जमीन पर खड़ा रहूँ और तुम रथ पर बैठे–बैठे मुझ पर बाण चलाओ, यह ठीक नहीं होगा। ज़रा रुको।"

प्र0–8 उचित विकल्प (1×4=4)

(क) 2. कंक
(ख) 3. पार्थ–सारथी
(ग)3. हाथी व द्रोणाचार्य के पुत्र दोनों का
(घ)1. द्वारका पर छत्तीस वर्षों तक

खण्ड– (घ)

प्र0–9 (क)उचित उत्तर (1×2=2)

हिन्दी के शब्द
विपत्ति
मछली

(ख) उचित उत्तर

(i) (3)नीलाभ (2)सिंहासन (1×2=2)

(ii) दुर्गंध, सुगंध, रंगदार, रंगीन (1×2=2)

(iii) सलामियों, जिम्मेदारी (1×2=2)

(ग) उचित विकल्प (1×2=2)

(i) 1. द्वंद्व समास

(ii) 2. सामाजिक

प्र0–10 पत्र लेखन (5)

1.	पत्र का प्रारूप	1
2.	पत्र की भाषा वर्तनी	1
3.	विषय निरूपण और प्रस्तुतीकरण के लिए	3

प्र0–11 अनुच्छेद लेखन (5)

भाषा की शुद्धता एवं वर्तनी	1
विचार	4